हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025

तापमान
अधिकतम 27.0 डिग्री
न्यूनतम 22.0 डिग्री

10 राष्ट्रीय राजमार्ग-44 बना 'खतरा-मार्ग' टूटे स्प्रिंग पोस्ट दे रहे हादसों का न्यौता

10 कर्मियों की लंबित मांगें उठाने का निर्णय

खबर संक्षेप

संदिग्ध हालत में फंदे से लटका मिला महिला का शव

सोनीपत। सदर थाना क्षेत्र के गांव हरसाना में संदिग्ध हालत में महिला का शव फंदे से लटका मिला। मामले को लेकर परिजनों को पुलिस को सूचना दी। सदर थाना पुलिस व एफएसएल टीम ने मौके पर पहुंचकर जरूरी साक्ष्य जुटाकर शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। देर शाम तक परिजनों के बयान दर्ज न होने के चलते शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार गांव रिंढाना हाल में हरसाना निवासी पुष्पा (29) की शादी करीब दस साल पहले पंकज के साथ हुई थी। वह परिवार के सदस्यों के साथ गांव हरसाना में किराए के मकान पर रहती थी।

अवैध कब्जा हटवाने के बाद भी काश्त, केस दर्ज

गोहाना। न्यायालय के आदेश पर कासंडी गांव में जमीन से अवैध कब्जा हटाने के बावजूद उस पर काश्त की गई। इसको लेकर गोहाना खंड के बीडीपीओ ने सदर थाना में शिकायत दी। पुलिस ने दो नामजद लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। बीडीपीओ डॉ. परमजीत सिंह ने पुलिस को बताया कि खंड कार्यालय में एसडीएम न्यायालय के आदेश पर 23 मई को एसडीओ जितेंद्र खोखर द्वारा बतौर ड्यूटी मजिस्ट्रेट कासंडी गांव में हरविंद्र व योगेंद्र से पंचायती जमीन का अवैध कब्जा हटवाया गया था।

अकबरपुर बरोटा में दो पक्षों में झगड़ा, दो युवक घायल

सोनीपत। जिले के गांव अकबरपुर बरोटा में दो पक्षों के बीच कहासुनी के बाद झगड़ा हो गया। झगड़ा इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से लाठी-डंडे चल गए। मारपीट में गुलशन और साहिल नामक दो युवक घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, किसी पुरानी रंजिश या आपसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले तीखी बहस हुई, जो बाद में मारपीट में बदल गई।

नकदी चोरी करने की घटना में 4 आरोपित काबू

गोहाना। बरोदा थाना की पुलिस ने घर में घुसकर नकदी चोरी करने की घटना में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया। आरोपित गांव बुटाना का सुमित, गांव गंगेसर का दीपांशु और गांव बिचपड़ी का मोहित व आकाश हैं। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने आरोपितों को चार दिन के रिमांड पर लिया। शुक्रवार को गांव बुटाना के सुरेंद्र ने पुलिस को शिकायत दी थी कि लगभग 15 दिन पहले उसने गाड़ी की किश्त भरने के लिए अपनी मां को डेढ़ लाख रुपये दिए थे। उसके घर के ताले तोड़ कर अलमारी से नकदी चोरी कर ली।

युवक हत्याकांड: मनदीप की चाकुओं से गोदकर कर की थी हत्या

लड़की की सोशल आईडी को लेकर हुआ था दो पक्षों में झगड़ा

सीआईए-1 को सौंपी गई है जांच, टीम ने चार आरोपितो को किया गिरफ्तार, सोमवार को अदालत में पेश करेगी पुलिस, नागरिक अस्पताल में फॉरेंसिक चिकित्सक न होने के चलते शव को खानपुर भेजा

पुलिस ने हत्यारोपियों को काबू करने के लिए पांच टीमों का किया था गठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सारंग रोड पर हुए हत्याकांड की शुरुआत लड़की की सोशल आइडी अकाउंट को लेकर शुरू हुई थी। उसके दो पक्षों में आपसी कहासुनी होने लगी। जिसके बाद दोनों पक्ष शनिवार को शहर के सारंग रोड पर एक-दूसरे से भिड़ गए। सोशल आईडी मांगने वाले पक्ष की तरफ से मनदीप को दूसरे पक्ष की तरफ से चाकुओं से गोदकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने मृतक के पिता के बयान पर आरोपितो के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था। रविवार को नागरिक अस्पताल से से मृतक का शव फॉरेंसिक चिकित्सक न होने के चलते महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भेज दिया। जहां शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। मामले को लेकर सीआईए-1 को जांच सौंपी गई। जिसमें चार आरोपितो को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित गांव रिठाल निवासी सत्यनारायण ने पुलिस को शिकायत देकर बताया था कि वह खेती बाड़ी का काम करता है। उसके चार बच्चे है। जिसमें तीन लड़की है। वहीं सबसे छोटा लड़का मनदीप (18) वर्ष का है। वह अपनी बहन ज्योति के पास गांव शहजादपुर में रहता है। शनिवार को वह हर रोज पढ़ने के लिए शहर के सुभाष चौक पर स्थित कोचिंग सेंटर में आया था। उसे सूचना मिली की सारंग रोड पर कुछ नौजवान लड़कों ने उसके बेटे पर चाकुओं से हमला कर घायल कर दिया। राहगीर की मदद से वह नागरिक अस्पताल में पहुंचा। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

- पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा

आरोपितो को लिया रिमांड पर

मनदीप हत्याकांड में चार आरोपितो को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित अलग-अलग सेंटरों पर कोचिंग के लिए आते है। लड़की की सोशल आईडी को लेकर दो पक्षों का झगड़ा हुआ। इनका पहले झगड़ा नगर निगम के पार्क में हुआ। उसके बाद सारंग रोड पर झगड़ा हुआ। जिसमें मनदीप को चाकुओं से गोदकर मौत के घाट उतार दिया। वारदात में अन्य आरोपितो की संलिप्तता है। जिनका आपराधिक रिकॉर्ड है। गिरफ्तार आरोपितो को अदालत में पेश कर रिमांड की अपील की जायेगी। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।
-बीर सिंह, सीआईए-1 प्रभारी।

- गिरफ्तार आरोपित गांव रिठाल निवासी सत्यनारायण ने पुलिस को शिकायत देकर बताया था कि वह खेती बाड़ी का काम करता है

वारदात में शामिल है आपराधिक रिकॉर्ड वाले आरोपित

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार वारदात को अंजाम देने में आपराधिक रिकॉर्ड वाले आरोपित भी शामिल है। फिलहाल पुलिस ने चार आरोपितो को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित मोनू उर्फ केरा, देव निवासी सलीमरपुर माजरा, सागर उर्फ गोगी निवासी तिहाड़ खुर्द, अंकुश निवासी सिसाना का है। पुलिस आरोपित को सोमवार को अदालत में पेश करेगी। वहीं वारदात में शामिल अन्य आरोपितो की पुलिस टीमें तलाश कर रही है।

पुलिस ने की सीसीटीवी की जांच

मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची सिविल लाइन थाना पुलिस ने एफएसएल की टीम ने वारदात स्थल से जरूरी नमूने एकत्रित किए। आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की जांच की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया। नागरिक अस्पताल में फॉरेंसिक चिकित्सक न होने के चलते शव को महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भेज दिया। जहां रविवार को उसके शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मृतक के पिता के बयान पर विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था।

पांच टीमों का किया गठन, जांच सीआईए-1 को सौंपी, चार पकड़े

मिली जानकारी के अनुसार हत्याकांड को लेकर पुलिस आयुक्त की तरफ से हत्यारोपितों की गिरफ्तार व मामले की जांच के लिए पांच टीमों का गठन किया गया। सिविल लाइन थाना पुलिस के साथ जांच को सीआईए-1 को सौंपा गया। टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए चार आरोपितो को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपितो ने स्वीकार किया गया। लड़की की सोशल अकाउंट की आईडी देने को लेकर उनका झगड़ा शुरू हुआ था। जिसमें आईडी मांगने वाले पक्ष की तरफ से मनदीप उनके साथ आया। झगड़े के दौरान मनदीप को चाकू मारकर घायल कर दिया। जिससे उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

किसानों की सुविधा और पारदर्शी खरीद प्रक्रिया सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

खाद्य एवं आपूर्ति राज्य मंत्री ने किया अनाज मंडी का दौरा

सोनीपत। अनाज मंडी में पहुंचें मंत्री राजेश नागर साथ में विधायक निखिल मदान।

- राजेश नागर बोले, सरकार का लक्ष्य है कि किसी किसान को मंडी में न हो कोई परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

हरियाणा के खाद्य एवं आपूर्ति राज्य मंत्री राजेश नागर ने रविवार शाम सोनीपत अनाज मंडी का दौरा किया और धान खरीद प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंडी में चल रही खरीद एवं उठान कार्य की विस्तार से समीक्षा की और उपस्थित किसानों, आढ़तियों व अधिकारियों से बातचीत की।

राज्य मंत्री नागर ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि धान खरीद में पारदर्शिता, समय पर भुगतान और सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

किसानों की समृद्धि प्राथमिकता

राजेश नागर ने मंडी में आवश्यक व्यवस्थाओं - जैसे तौल प्रक्रिया, भुगतान प्रणाली, फसल उठान, परिवहन और भंडारण सुविधाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य समयबद्ध और व्यवस्थित रूप से पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार किसानों की समृद्धि के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा किसानों के हितों की रक्षा और उन्हें उनकी उपज का न्यायसंगत मूल्य समय पर दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों को न केवल उचित मूल्य दिलाने के लिए कार्य कर रही है, बल्कि फसल भंडारण, परिवहन, और बाजार व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में भी तेजी से कदम उठा रही है।

अलग-अलग जगहों से दो मोटरसाइकिल चुराई

गोहाना। क्षेत्र में अलग-अलग जगहों से दो मोटरसाइमिल चुरा ली गई। मोटरसाइकिल मालिकों द्वारा पुलिस को शिकायत दी गई। पुलिस ने दोनों मामलों में चोरी के केस दर्ज किए हैं। रूखी गांव निवासी सत्यनारायण ने बरोदा थाना में शिकायत दी कि वह खेतीबाड़ी का काम करता है। 2 अक्टूबर को अपनी मोटरइसाकिल लेकर खेत में गया था। वह सडक के पास रास्ते में मोटरसाइकिल खड़ी करके खेत में चलाया गया। जब वह वापस आया तो उसके उसकी मोटरसाइकिल चोरी मिली। उधर दूसरे मामले में खानपुर खुर्द गांव निवासी विकास ने शहर थाना में मोटरसाइकिल चोरी की शिकायत दी।

वार्ड 6 और वार्ड 12 में होंगे सड़कों के पुनर्निर्माण और मरम्मत कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

रविवार को विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन ने नंबर 6 और वार्ड नंबर 12 में लगभग 1 करोड़ रुपए की लागत से होने वाले विकास कार्यों का नारियल तोड़कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों ने विधायक और मेयर का स्वागत कर आभार जताया। विधायक निखिल मदान ने बताया कि वार्ड नंबर 6 में 61 लाख रुपए की लागत से फाजिलपुर गांव से गढ़ शहजान गांव तक सड़क को सीसी से पक्का किया जाएगा। यह सड़क लंबे समय से क्षतिग्रस्त थी, जिसके चलते जलभराव की समस्या उत्पन्न हो रही थी। साथ ही फाजिलपुर गांव में स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य भी जारी है। मेयर राजीव जैन ने बताया कि वार्ड नंबर 12 के मॉडल टाउन में मित्तल नर्सिंग होम से ओल्ड डीसी रोड तक सड़क को 36 लाख रुपए की लागत से मास्टिक द्वारा पक्का किया जाएगा। उन्होंने एजेंसी प्रतिनिधि को गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

सोनीपत। विकास कार्यों का शुभारंभ करते हुए विधायक, मेयर व अन्य।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर रामफल राणा, पूर्ण नंबरदार, राम रतन, श्रीनिवास, रोहित भारद्वाज, कुलदीप राणा, सतीश सलूजा, शशि, राधेश्याम सैनी, निझावन, गुरुदत्त खुशदिल, सन्नी चोपड़ा, जयपाल, हरीश कपूर, मदन ढुआ, देवराज, रामा शंकर, रजनीश, सचिन, राहुल, राहुल तनेजा और पवन तनेजा सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

झुंडपुर में संदिग्ध हालात में मिला व्यक्ति का शव पहचान नहीं हो सकी

सोनीपत। जिले के झुंडपुर गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भेज दिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गांव के पास खेतों की ओर जाने वाले रास्ते पर राहगीरों ने एक व्यक्ति को अचेत अवस्था में पड़ा देखा। नजदीक जाकर जांच की तो पता चला कि वह व्यक्ति मृत है। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन किसी ने भी मृतक को पहचानने से इंकार कर दिया। पुलिस का कहना है कि मृतक की उम्र लगभग 45 वर्ष है। उसके पास से कोई पहचान पत्र या दस्तावेज नहीं मिले है।

सत्यार्थ प्रकाश परीक्षा के लिए आए 90 परीक्षक

11 राज्यों के 56 गुरुकुलों के 4,000 विद्यार्थियों ने लिया भाग

- परीक्षा से विद्यार्थियों में आध्यात्मिक विद्या का संवर्धन होता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

आर्योदय गुरुकुल के तत्वावधान में महर्षि दयानंद कृत सत्यार्थ प्रकाश की परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें 11 राज्यों के 56 गुरुकुलों के लगभग 4,000 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

यह परीक्षा पिछले सात वर्षों से आर्योदय गुरुकुल द्वारा निरंतर आयोजित की जा रही है। परीक्षा संचालक संदीप आर्य ने बताया कि लगभग 90 परीक्षक सोनीपत से विभिन्न राज्यों में परीक्षा संचालन के लिए गए थे।

सोनीपत। परीक्षा के दौरान उपस्थित परीक्षार्थी।

वैदिक परीक्षा से होगा विद्यार्थियों का विकास

संदीप आर्य ने कहा कि इस परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक सिद्धांतों, ईश्वर और धर्म के वास्तविक स्वरूप, आचार-विचार तथा वैदिक पठन-पाठन व्यवस्था से अवगत कराना है। इससे विद्यार्थियों में आध्यात्मिक विद्या का संवर्धन होता है। अनेक गुरुकुलों के आचार्यों ने इसे विद्यार्थियों के नैतिक और बौद्धिक विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। परीक्षा के सहसंचालक धर्मवीर मुमुक्षु ने बताया कि इस परीक्षा का पुरस्कार वितरण समारोह 14 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। आचार्य नंदकिशोर, आचार्य सत्यवान और आचार्य चंद्रेश ने सभी गुरुकुलों और आयोजकों को परीक्षा के सफल संचालन के लिए धन्यवाद दिया तथा विद्यार्थियों को वैदिक ज्ञान के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया।

भावर गांव के तालाब की सफाई न होने से ओवरफ्लो, खेतों में भरा पानी

गन्नौर। तालाब ओवरफ्लो होने से खेत मे भरा दूषित पानी।

गन्नौर। भावर गांव में तालाब की सफाई न होने के कारण तालाब ओवरफ्लो हो गया, जिससे गांव के आसपास के खेतों में पानी भर गया है। खेतों में खड़ी धान व अन्य फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते तालाब की सफाई कर दी जाती, तो यह स्थिति पैदा नहीं होती। किसान महावीर ने बताया कि बरसात के दौरान तालाब का पानी लगातार बढ़ता गया और उसके बाद गांव का पानी भी लगातार जोहड़ में आता गया। जिससे तालाब ओवरफ्लो हो गया और अब पानी खेतों में फैल गया है। इससे न केवल फसलें खराब हो रही हैं, बल्कि पानी गांव की ओर बढ़ रहा है, जिससे ग्रामीणों में चिंता का माहौल है। उन्होंने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार गन्नौर एसडीएम और बीडीपीओ को लिखित शिकायत दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

इंटरनेट पर हथियारों के साथ फोटो डालने पर केस दर्ज

गन्नौर। सोशल साइट्स पर हथियारों के साथ फोटो अपलोड करना एक युवक को भारी पड़ गया। क्राइम यूनिट सेक्टर-3 की जांच में सामने आया कि गांव लड़सौली निवासी अनिश उर्फ निशु ने अपनी इंस्टाग्राम आईडी पर दोनाली बंदूक के साथ फोटो अपलोड किए थे। जांच में पता चला कि यह फोटो नवंबर 2024 में उसके रिश्तेदार रोहित की शादी के दौरान खींचे गए थे, जब झज्जर निवासी भगत सिंह बंदूक लेकर आया हुआ था। निशु ने बंदूक उससे लेकर फोटो खिंचवाई और बाद में उसे लौटा दी। पुलिस ने भगत सिंह व अनीश उर्फ निशु के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने भगत सिंह के लाइसेंस को रद्द करने की सिफारिश की है। वहीं निशु की इंस्टाग्राम आईडी बंद करने की भी अनुशंसा की गई है।

गोहाना-महम मार्ग की खस्ता हालत से लोग परेशान

ग्रामीण बोले: हमें आईएमटी नहीं, सड़कें अच्छी चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

रविवार को गांव कथूरा के ग्रामीणों ने बरोदा हलका के विधायक इंदुराज नरवाल से गांव रिंढाणा स्थित उनके निवास पर मिले। ग्रामीणों ने विधायक से जर्जर हो चुके गोहाना-महम मार्ग के निर्माण की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि उनको बरोदा हलके में आईएमटी नहीं बल्कि सडक़ेंअच्छी चाहिए। इस सडक़ पर गड्ढे होने से कई दिन पहले गांव के एक व्यक्ति हादसे का शिकार हो गया और उसकी मौत हो गई। युवा किसान नेता अक्षय नरवाल ने कहा कि गोहाना-महम मार्ग पिछले कई सालों से जर्जर हालत में है। गोहाना से लेकर लाखनमाजरा तक कोई ऐसी जगह नहीं है जहां इस पर गहर गड्ढे न हों। सडक़ टूटी होने से वाहन चालक रोजाना हादसों का शिकार हो रहे हैं। अभी कुछ ही दिन पहले गांव कथूरा निवासी कृष्ण पुत्र ईश्वर की इस मार्ग पर हादसे में जान चली गई। उन्होंने कहा कि हमें बरोदा हलके में आईएमटी नहीं बल्कि मुख्य मार्गों के अलावा गांव से गांव को जोडऩे वाली सडक़ें अच्छी चाहिएं ताकि वाहन चालक आसानी से आ जा सकें। इस अवसर पर ग्रामीण जितेंद्र नरवाल, रोहताश नरवाल, पंडित ईश्वर, ईश्वर नरवाल, कपिल, मीतू, शीला, आनंद, भोला, विक्की, परवीन, साहिल, नवीन, जयदीप और समुंद्र उपस्थित रहे।

- सडक़ पर गड्ढों से हो रहे हादसे

गोहाना। विधायक इंदुराज नरवाल को मांगपत्र सौंपते हुए गांव कथूरा के ग्रामीण।

जवाब दे चुका लोगों के सब्र का बांध

ग्रामीणों ने कहा कि मार्ग जर्जर होने से राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोग काफी दिनों से मार्ग के निर्माण का इंतजार कर रहे हैं। अब लोगों के सब्र का बांध जवाब दे चुका है। ग्रामीण बोले कि अगर निर्धारित समयावधि में मार्ग का निर्माण शुरू नहीं किया गया तो वे रोड जाम करेंगे और विधायक को भी अपने साथ इस आंदोलन में शामिल करेंगे।

पंद्रह दिन में काम शुरू करने का आश्वासन

विधायक इंदुराज नरवाल ने ग्रामीणों के समक्ष मौके पर ही पीडब्ल्यूडी विभाग के एसडीओ से मोबाइल फोन पर बातचीत की और 15 दिन में काम शुरू करवाने की बात कही। एसडीओ से बातचीत के बाद विधायक ने ग्रामीणों को 20 दिन में मार्ग का निर्माण कार्य शुरू करवाने का आश्वासन देते हुए कहा कि सरकार ग्रामीण विकास के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कर रही है, ताकि लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

पेट जितना भी भरा रहे, आशा कभी नहीं भरती। वह जीवों को कोई-न-कोई अप्राप्य, कुछ नहीं तो केवल रंगों की माया का इंद्रधनुष प्राप्त करने के मायावी दलदल में फँसा ही देती है।

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

स्त्री अपने दर्द-दु:ख बाँट लेती है लेकिन पुरुष जैसे कुछ खास न हुआ हो, का दिखावा करते हुए भीतर ही भीतर घुलता रहता है। उधर कृष्णा के बार-बार कुरेदने पर भी शांत और उदास सी अंकिता ने कुछ भी संकेत नहीं दिया। पति के प्रति आकर्षण का समापन तो ब्याह के माह भर बाद से ही कृष्णा अनुभव कर रही थी, 'परन्तु दूसरे के घर में व्यवस्थित होने में समय तो लगता ही है' सोचकर वह दिनचर्या में व्यस्त रहती।

कहानी

आशा खत्री 'लता'

कलंक

विवाह के केवल चार महीने बाद ही अंकिता फिर कभी ससुराल न जाने के इरादे के साथ पीहर लौट आई। कुशल-क्षेम जानने के बाद बेटी कितने दिन साथ रहेगी इस उत्सुकता से माँ ने पूछा- 'अमर कब आएगा तुझे लेने?'

माँ के इस प्रश्न पर उस वक्त तो अंकिता मौन साध गई, परन्तु अगले एक दो दिन में ही उसने स्पष्ट कर दिया कि अब वह कभी ससुराल नहीं जाने वाली। यह जानकर उसकी माँ के तो जैसे पैरों तले से जमीन ही खिसक गई। बड़ी मुश्किल से तो बेटी को एमबीए करवाकर हाथ पीले किए थे। छोटी श्वेता भी तो कॉलेज जाने लगी है। पीयूष दसवीं में हो गया है। मात्र डेढ़ एकड़ का किसान बलजीत और कृष्णा ने अपनी दिन-रात की मेहनत से बच्चों को पढ़ाने का बीड़ा उठाया हुआ है। पढ़ाई के खर्चे और भारी-भरकम फीस ने कभी कृष्णा को पसंद का कपड़ा तक तन से न लगाने दिया। जो पीहर से मिल जाता उसी में सब्र कर वह दो भैसों का दूध बेचकर हर माह कुछ न कुछ बचत करती है ताकि बच्चों की पढ़ाई-लिखाई ठीक से हो सके। अंकिता के एमबीए करते ही बलजीत ने उसके लिए लड़का देखना शुरू कर दिया। जल्दी ही गाँव से लगभग तीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित महम में रहने वाले श्रीनिवास के लड़के अमर से उसका रिश्ता तय कर चट मंगनी पट ब्याह की कहावत चरितार्थ करते हुए हाथ पीले कर दिए। बलजीत ने चद्दर से बाहर पैर पसारते हुए बेटी को दहेज में कपड़े, गहने, घर के दैनिक उपयोग का सामान आदि भी दिए ताकि बेटी को पराये घर में किसी चीज की दिक्कत न हो। कृष्णा और बलजीत दोनों को लगता था कि बेटी सुखी रहेगी। वे उसकी जिम्मेदारी से मुक्त हो गए हैं तो कुछ दिनों में अपनी मेहनत से इधर-उधर से लिया गया उधार भी वे जल्दी ही चुका देंगे। परन्तु इतनी शीघ्र बेटी का ससुराल से मोहभंग होना उनके सपनों पर गाज गिरने के समान था। कारण चाहे कुछ भी हो पर बेटी का वापस आकर बैठना! क्या कहेंगे लोग? कहीं बेटी किसी और के चंगुल में तो नहीं है? यह आशंका भी उनके मन में उठी परन्तु भोली-भाली अंकिता का निश्छल स्वभाव उन्हें ऐसा सोचने की अनुमति नहीं दे रहा।

कृष्णा को याद आया कि महीना भर पहले जब अंकिता आई थी तो उसकी एक ही मांग थी 'माँ मेरे लिए अलग बिस्तर बना दो ताकि मैं वहाँ रहकर अलग कमरे में पढ़ाई कर सकूँ।' यह सुनकर उसके हृदय को शूल सी चुभी थी कि बेटी ऐसा क्यों कह रही है। परन्तु उसने अंकिता को सलाह दी 'अभी अपने वैवाहिक जीवन को सुदृढ़ करो पढ़ाई लिखाई तो चलती ही रहेगी।' यह कहकर कृष्णा ने बिस्तर वाली बात अगली बार पर टाल दी थी। परन्तु उसे क्या पता था कि अलग सोने का बहाना करने वाली अंकिता महीने भर बाद कभी वापस न जाने का मन बनाकर लौट आएगी। बलजीत तो बेटियों से कम बात करता है। वह बार-बार कृष्णा को अंकिता का मन लेने को कहता। स्त्री अपने दर्द-दुःख बाँट लेती है लेकिन पुरुष जैसे कुछ खास न हुआ हो, का दिखावा करते हुए भीतर ही भीतर घुलता रहता है। उधर कृष्णा के बार-बार कुरेदने पर भी शांत और उदास सी अंकिता ने कुछ भी संकेत नहीं दिया। पति के प्रति आकर्षण व मिलन के उल्लास का समापन तो ब्याह के माह भर बाद से ही कृष्णा अनुभव कर रही थी, 'परन्तु दूसरे के घर में व्यवस्थित होने में समय तो लगता ही है' सोचकर वह अपनी दिनचर्या में व्यस्त रहती। उसे तसल्ली इस बात की थी कि अंकिता ने कभी सास-ससुर, देवर, ननद, पति किसी के भी व्यवहार की, किसी तरह की कमी या दुःख की कोई शिकायत नहीं की तो उन्हें लगता रहा कि सब ठीक ही होगा।

कहते हैं न कि दीवारों के भी कान होते हैं। शायद यह सच ही होगा तभी तो अंकिता के ससुराल न जाने की बात गाँव भर में फैल गयी। अब लोगों ने उसे और चटपटी करते हुए नमक-मिर्च लगाकर तलाक की बात तक पहुंचा दिया। बात जब बाहर निकली तो बतंगड़ बनने ही थे। कुछ लोग तो आजकल लड़कियाँ कितनी बिगड़ गयी हैं का उदाहरण अंकिता का नाम लेकर देने लगे। जो भी सुनता एक वाक्य अपनी तरफ से जोड़ ही देता 'आजकल की लड़कियाँ घर कोनी बसावैं' तो कोई कहता 'देख लिया घणी पढ़ावण का नतीजा' और कोई कहता 'छोड़ दी होगी लड़के वालों ने, ये अपनी का कसूर क्यों बतावेंगे' मतलब जितने मुँह उतनी बात। जबकि इस प्रकरण से पहले यही लोग थे जो अंकिता की शराफत का उदाहरण अपनी बेटियों को देते थे।

इन सब बातों को बिना सुने भी अनुभव करते बलजीत कृष्णा बेटी के उतरे मुँह को देख खुद भी उदासी में डूब जाते। माँ भाँति-भाँति के जतन करती उसके मन की बात जानने को, परन्तु सफल न हो पाती। माँ तो माँ होती है अपनी संतान के हित उसके प्रयास कभी थमते नहीं। एक दिन गली में 'सूट ले ल्यो, सूट ले ल्यो' की आवाज सुनकर कृष्णा ने अंकिता को सुनाते हुए पीयूष से कहा 'बेटे बुला तो फेरी वाले को दो-चार अंकिता और एक सूट उसकी सास के लिए ले लेती हूँ।'

'रुक जा पीयूष' बाहर निकलते भाई को अंकिता ने रोका तो उसके पाँव ठिठक गए। 'माँ आप लोगों को कितनी बार कह चुकी कि मुझे वहाँ नहीं जाना।' उसने माँ की ओर देखते हुए कहा।

'पर क्यों नहीं जाना? कोई कारण तो हो? फिर यहाँ क्या करेगी? बाप की छाती पे मूंग दलेगी? देख तेरे छोटे बहन-भाई पर क्या असर पड़ेगा तेरे इस फैसले से। हम लोगों को क्या जवाब देंगे? कभी सोचा है तूने?' कहती हुई माँ रोने को हो आई। अंकिता कुछ जवाब देती, उससे पहले ही मोबाइल की घण्टी बज उठी। उसने मोबाइल पर आया नाम देखकर फोन काट दिया। मैट्रिक तक पढ़ी कृष्णा ने उसकी यह हरकत देखकर मोबाइल उसके हाथ से छीन लिया।

'अमर का फोन' वह बुदबुदाई और अगले ही पल वापस फोन मिला दिया। 'हेलो' 'हाँ बेटे' 'नमस्ते मम्मी। अंकिता तो पता नहीं क्यों मेरा फोन नहीं उठा रही, मैं ये कह रहा था कि मैं कल उसे लेने आ रहा हूँ।' 'ठीक है बेटा, आ जाओ, और सब ठीक हैं घर में?' 'हाँ मम्मी सब ठीक हैं।'

अपनी माँ को मेरी राम-राम कह देना बेटे।' कहकर कृष्णा ने फोन काट दिया। 'अंकिता कल अमर आ रहा है तुझे लेने, जाने की तैयारी कर ले बेटी। वो फेरी वाला भी निकल गया। अब मुझे कपड़े लेने जगदीश बनिया की दुकान पर जाना पड़ेगा।' कृष्णा ने सपाट लहजे में कहा। 'मुझे नहीं जाना माँ।' अंकिता ने धीरे से परन्तु दृढ़ निश्चय के साथ कहा। 'पर क्यों नहीं जाना?' कृष्णा ने उसे कंधों से पकड़कर झकझोरते हुए पूछा।

इस बीच पीयूष किताबें उठाकर जीने की सीढ़ियां चढ़ने लगा। श्वेता कॉलेज और बलजीत खेतों में गए हुए थे। आज कृष्णा भी अंकिता से पूरी बात जानने की ठान चुकी थी। सो, उसने अंकिता को अपने पास बिठाकर उसे गले से लगाते हुए कहा-'कारण कुछ भी हो अंकिता बताना तो पड़ेगा तुझे, नहीं तो कल जाना पड़ेगा। मैं तेरी माँ हूँ, तू अपना दुख मुझसे नहीं कहेगी तो किस से कहेगी बेटी। यदि तू पूरी बात बताएगी तो हमें भी तुझे समझने में आसानी रहेगी।' कृष्णा कारण जानने को व्याकुल थी मगर अंकिता का मौन टूटने का नाम ही नहीं ले रहा था। हार कैसे मानती तो फिर एक बार माँ के उत्तरदायित्व ने हौसला दिया- 'देख अंकिता तेरे पिता कितने चिंतित रहते हैं तेरे लिए। आये दिन लोगों को हार्टअटैक की घटनाएं हो रही हैं तेरे पापा को कहीं कुछ हो गया तो...'और वे रुआँसी हो आयी।

'माँ, मैं क्या बताऊँ, कैसे बताऊँ कि सच क्या है। आपने तो घर-नौकरी देखकर मेरा ब्याह कर दिया। मुझे भी वहाँ कोई दिक्कत नहीं किसी से...'कहते हुए अंकिता के होंठ फिर से सिल गए।'

कुछ पल सोचकर कृष्णा ने बलजीत को फोन मिलाया- 'कहाँ हो? ज्यादा जरूरी काम ना हो तै घरां आ जाओ।' 'आऊँ सूँ' कहकर बलजीत ने फोन काट दिया। कुछ देर बाद बलजीत आ गया तो कृष्णा ने एक तरफ बैठकर सारी बात उसको बताई, जिसे सुनकर बलजीत भी हैरान, परेशान हो गया। कृष्णा ने अंकिता को चाय बनाने को कहा और बलजीत को समझाने लगी कि बात बहुत गम्भीर है, तुम विपिन से बात कर लो।

देख बेटा बताना तो पड़ेगा तुझे। हमारी हालत देख रही है न तू। तुम तीनों की पढ़ाई-लिखाई के साथ तेरे ब्याह में उठाये कर्ज के ब्याज का भी भुगतान हम अभी तक नहीं कर पाए हैं।' 'माँ, मैं नौकरी करूँगी। पापा का हाथ बटाऊंगी, सुबह शाम आपके साथ भैंसों का, घर का काम भी करूँगी पर वहाँ मत भेजो माँ, मुझे वहाँ मत भेजो।' कहते हुए अंकिता फफक पड़ी।' पर क्यों ना भेजूँ मेरी लाडो, बात तो बता।'

'माँ, उसे मेरी जरूरत नहीं है वह किसी और लड़के के साथ...'

'लड़के के साथ...' कृष्णा हतप्रभ रह गई। उसे समझ नहीं आ रहा था कि माजरा क्या है। 'माँ, यह मुझ से तो बात ही नहीं करता है। रात को कभी माँ के पास जाकर सो जाता है तो कभी दादी के पास। अभी कुछ दिनों पहले जब ये नहाने गया हुआ था तो इसका फोन बजा। मैंने उठाया तो उधर से कहा गया, तुम कौन हो? मैंने कहा मैं उनकी पत्नी हूँ। तो उसने कहा तू इसकी कुछ नहीं है। मुझसे वादा खिलाफी नहीं कर सकता अमर। हम दोनों साथ रहेंगे। उसकी पत्नी बनकर तो मैं रहूँगा। तुम दफा हो जाओ इसकी जिंदगी से। 'क्या बकवास कर रहे हो तुम' मैंने कहा तो वह गुर्राया-'बकवास नहीं कर रहा हूँ ज्यादा चूं-चपड़ की तो खत्म कर दूँगा तुझे, न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी। और सुन यकीन नहीं आता तो वीडियो भेजता हूँ अभी, देख लेना।' और माँ उसने तत्काल दो वीडियो भेजी। जिन्हें मैंने अपने नम्बर पर फारवर्ड कर अमर के फोन से तत्काल डिलीट कर दिया।

'वीडियो दिखा' कृष्णा ने उतावली होते हुए कहा। अंकिता ने मोबाइल की गैलरी में वह वीडियो टिक कर मोबाइल माँ को थमा दिया। दो पुरुषों की ऐसी गन्दी, घिनौनी वीडियो देखकर कृष्णा की हालत खराब हो गई। यह सब तो जिंदगी में न सुना, न कल्पना की। 'कोई बात नहीं बेटी। आने दे तेरे पापा को मैं बात करती हूँ।' कुछ पल सोचकर कृष्णा ने बलजीत को फोन मिलाया- 'कहाँ हो? ज्यादा जरूरी काम ना हो तै घरां आ जाओ।' 'आऊँ सूँ' कहकर बलजीत ने फोन काट दिया। कुछ देर बाद बलजीत आ गया तो कृष्णा ने एक तरफ बैठकर सारी बात बलजीत को बताई, जिसे सुनकर बलजीत भी हैरान, परेशान हो गया। कृष्णा ने अंकिता को चाय बनाने को कहा और बलजीत को समझाने लगी कि बात बहुत गम्भीर है, तुम विपिन से बात कर लो। वह जरूर कुछ समाधान सोचेगा।' हाँ विपिन को तो मैंने वैसे भी बता दिया था कि अंकिता ससुराल जाने से मना कर रही है। उसने कहा भी था कि कोई गम्भीर बात ही होगी। वरना हमारी अंकिता ऐसा क्यों कहती।'

शाम को बड़े भाई का बेटा विपिन घर आया तो बलजीत ने उसे बुला भेजा-'आ जा विपिन आज चाय यहीं बना देगी अंकिता'

'आता हूँ काका' कहते हुए दो मिनट में ही विपिन आ गया। बलजीत ने उसे शुरू से आखिर तक सारी बात बतायी, वीडियो भी दिखाई। उसे आश्चर्य तो बहुत हुआ पर उसने यही कहा कि यह बीमारी भी अब फैल रही है। आपने सुना ही होगा दो-तीन वर्ष पहले नजदीक के ही शहर में ऐसे ही एक चक्कर में विरोध करने पर एक युवक ने अपने परिवार को ही मौत के घाट उतार दिया था। यह सुनकर बलजीत के बदन में झुरझुरी सी आ गयी। 'अब क्या होगा विपिन?' 'होगा क्या काका पहले तो कल अमर आ रहा है उससे पूछ लेते हैं। उसके बाद आगे की सोचेंगे। अगले दिन अमर के पहुँचते ही बाट जोह रहे बलजीत व विपिन ने उसे बैठक में बिठाकर चाय-पानी के बाद जानना चाहा कि मामला क्या है? अमर तो इस चालाकी में था कि जैसे अंकिता को कुछ पता न उसके घरवालों को। 'ऐसा कुछ नहीं है' कहते हुए वह पहले तो साफ मुकर गया। परन्तु विपिन ने उसे बातों में घेरते हुए कहा कि सबूत है मेरे पास।' सबूत तो तब होंगे न जब कुछ होगा' अमर को अपने रुख पर कायम देख विपिन ने उसे वीडियो दिखाई तो अमर सन्न रह गया। उसे एकदम से पसीना आ गया। 'यह तू है न दूसरे लड़के के साथ?' विपिन ने पूरे आवेश में उस पर मुक्का तानते हुए कहा। 'हाँ' कहते हुए अमर ने गर्दन झुकाकर आँखें धरती में गड़ो दी। 'अब तू यहाँ से भाग कल हम आते हैं तेरे घर अपने बाप को बता देना।' अत्यंत क्रोध में बलजीत चिल्ला पड़ा। अमर तुरन्त सटक गया। अंकिता को कलेजे से लगाये उसकी माँ रो पड़ी- 'मेरी बेटी जैसी गयी थी वैसी ही आ गयी। मैं इसकी दूसरी शादी कर दूँगी। पर जो दुहेजू होने का कलंक इस पर लग गया, इसे कैसे हटाऊँ?

लघु कथा

वीना सिंह

कागज़ की नाव

पानी मटमैला था, लेकिन आँखें चमक रही थीं।
बरसात के बाद गाँव की उस पतली सी नाली में बहता पानी जैसे कोई समंदर हो, और उसका कप्तान—वो
नन्हा बच्चा। टूटी हुई चप्पलें, आधे गीले कपड़े, गले में एक काली डोरी और हाथ में्र कागज़ की नाव।
वो नाव उसकी कल्पना थी—कभी जहाज बन जाती, कभी युद्धपोत। और उसके होंठों पर खिलती मुस्कान,
किसी विजेता की सी।
"डूबेगी नहीं?" पीछे से किसी ने पूछा।
उसने बिना मुड़े कहा, "नहीं! मेरी बनाई है। इसे सपनों से जोड़ा है, पानी से नहीं।"
दूर बैठा बूढ़ा दादा, जो कभी अपने बचपन में ऐसी ही नावें बहाया करता था, चुपचाप मुस्कुराया। उसे याद
आया, बरसात में बहता पानी कभी सिर्फ पानी नहीं होता—वो बचपन की सबसे पवित्र नदी होती है, जिसमें न
कोई डर होता है, न कोई कल की चिंता।
बारिश थम चुकी थी, लेकिन उसके सपनों की नाव बहती रही्र उस नाली में नहीं, उस आज़ादी में, जो सिर्फ बचपन जानता है।

कविता

राज ख्यालिया

संगीत

संगीत जब मन को छू जाए,
आत्मा का द्वार खुल जाए।
धुनों में बहती सुध-बुध सारी,
जैसे हो साधना कोई प्यारी।

नाद उठे शिव का डमरू बोले,
वहीं सत्य समाधि के स्वर डोले।
कृष्ण की बंसी जब जहाँ भी गूंजे,
योग की भाषा खोजो तुम खुद में

कला बसी नृत्य की थिरकन में
चित्रकला बहती है रेखाओं में।
शब्दों की रचना में,भावों की बात,
मिले मन को शांति, स्वमं के साथ।

हस्तशिल्प की बुनावट गहरी,
मानवता की कथा कह रही।
रचनात्मकता के हर रंग में,
मन पाता है शांति उमंग में।

जब थकी लगे जीवन की चाल,
ले संगीत, चित्र या राग-माल।
मन के बोझ को हल्का कर लो,
हर चिंता को तितली कर दो।

कभी अकेले में गुनगुनाओ,
या बच्चों संग खिलखिलाओ।
कभी बिखराओ रंग सपनों के,
या थिरको सुरों के धुनों में।

कला ध्यान का सहज उपाय,
तन मन को देता सुकून प्राय:।
योग का यह नया विस्तार,
कला में प्राणों का संचार।

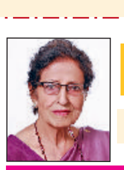

कविता

डॉ.कमलेश मलिक

मां दुर्गा

स्मरण तुम्हारा आते ही मां
पुलकित हो जाता है तन मन

भिन्न-भिन्न रूपों में आकर
भक्तों को खूब रिझाती हो
सब की मांगे अपनी-अपनी
तुम सब पर प्यार लुटाती हो

धूप -दीप - नैवेद्य यही है
कर लाई हूं कुछ शब्द चयन

ब्रह्मचारिणी कहला कर भी
तुम गौरी मां बनकर आयीं
तुम कालरात्रि भी बनी कभी
तुम सिद्धिदात्री भी कहलायीं

हे ! कल्याणी हे! कात्यायिनी
तुमको अर्पित हैं भाव सुमन

हे! आदि शक्ति तुम जगजननी
अमृत बरसाने वाली हो
इस रूखी सूखी धरती को
तुम ही सरसने वाली हो

मैं ढूंढ रही अंतर्घट में
हाथों में मेरे है दर्पण

साहित्यकार डॉ. शमीम शर्मा का कहना है कि युवा पीढ़ी पोर्नोग्राफी वीडियो को सर्च करने में अपना समय बर्बाद कर देती है, लेकिन साहित्य से जुड़ी सामग्री सर्च करने में कोई रुचि नहीं है। उन्होंने चिंता जताई कि मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित गोदान को बच्चा अपने पाठ्यक्रम में होने के कारण उसके प्रश्न-उत्तरों को रट करके परीक्षा दे देता है। ऐसे में गोदान पढ़ने का जो मजा है, वह कैसे आएगा। प्रेमचंद तो गोदान में है, प्रेमचंद गोदान के प्रश्न-उत्तरों में नहीं है।

साक्षात्कार

शमशेर सैनी

साहित्य पाठन से दूर हो रही नई पीढ़ी : डा. शमीम शर्मा

वर्तमान समय में साहित्य बहुत लिखा जा रहा है। आज हर दिन कविता की नई किताब आ रही है लेकिन चिंता का विषय यह है कि उन्हें पढ़ कौन रहा है। पुस्तकें मूल्यांकन के लिए साहित्य अकादमियों के पास पहुंच जाती हैं और डिस्ट्रीब्यूट हो जाती हैं। आज पाठक वही है, जो लेखक है। नई पीढ़ी साहित्य से दूर होती जा रही है। उनकी साहित्य में कोई रुचि नहीं है। काव्य, कहानियां, उपन्यास इन सब से युवा कोसों दूर हो गए हैं।

यह कहना है हरियाणा साहित्य जगत में महिला साहित्यकार एवं शिक्षाविद् के रूप में अपनी एक अलग पहचान रखने वाली डॉ. शमीम शर्मा का। साहित्यकार डॉ. शर्मा हरिभूमि के साथ विशेष बातचीत कर रही थीं। उन्होंने साहित्य की शुरुआत से लेकर नई पीढ़ी में साहित्य के प्रति कम होती रूचि जैसे विषय पर लंबी चर्चा की। डॉ. शर्मा ने कहा कि साहित्य क्या लिखा जा रहा है, कितना लिखा जा रहा है, यह तो बाद का प्रश्न है, जो लिखा जा रहा है, वो इतना सजावटी हो गया है कि जैसे हमारी पांडुलिपियां हैं, उन्हें लाल वस्त्रों में लपेटकर रखा गया है। वर्षों से रखी हुई है। कोई उनको पढ़ता नहीं, खोलता नहीं। मुंशी प्रेमचंद, महाकवि जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला यह लाइब्रेरी की सज्जा हो गए हैं। जैसे घर में सजावट का सामान रखा हो। न उन्हें कोई गले लगाते हैं, न कोई उन्हें स्पर्श करता है। उसी तरह से किताब होती जा रही है। एक समय था जब लोग साहित्य पढ़ने को लालायित होते थे। पढ़ने का शौक इतना प्रगढ़ था कि लोग साहित्य, पत्रिकाएं किराए पर लेकर पढ़ते थे। उस समय पढ़ने का बड़ा महत्व था। आज के परिप्रेक्ष्य में हम देखते हैं कि जो पढ़ने का शौक होता था वह शौक धीरे-धीरे यह मोबाइल खा गया है। बिना साहित्य के पली पीढ़ी पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में घरों से किताबें गायब होती जा रही हैं। इसका नतीजा यह है कि युवा साहित्य से बेखबर हैं। बिना साहित्य के पली पीढ़ी समाज के लिए नुकसानदायक है। अच्छे साहित्य की पहचान न होना, अच्छे लेखकों को बेहतर मौके न मिल पाना और खराब साहित्य का प्रचलन में आना भी समाज के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि पुष्पक विमान है, जिसने रामचरितमानस पढ़ी नहीं, उसको क्या पता कि हमारे यहां हजारों साल पहले पुष्पक विमान की खोज हो चुकी थी। वर्तमान में विश्व के कई देश युद्ध के दौरान मिसाइल छोड़ रहे हैं। हमारे यहां तो महर्षि वाल्मीकि ने रामायण में 5000 साल पहले ही अग्नि बाण, वायु बाण आदि का जिक्र कर दिया था।

प्रकाशित पुस्तकें

कुरुक्षेत्र हस्ताक्षर (लघुकथा संग्रह), अजन्मी बेटी की चिट्ठी (विचारोत्तेजक आलेख), पंचनाद (संतों की वाणी में क्रांति चेतना), चौपाल के मखौल, चौपाल के चाले (हरियाणवी हास्य), एक बिटिया तो जरूरी है (लघुकथा संग्रह), रोशनी है हम (कविता संग्रह), मंगल सूत्र और मेडल (महिला सशक्तीकरण पर आधारित निबन्ध), कोरोना की चिंगारियां (विचारपरक निबन्ध) बेटे बेटियों में खूब फर्क है, दो नंबर वाली लक्ष्मी (विचारोतेजक आलेख), जादूभरा साथ (कविता संग्रह) प्रकाशित हो चुके हैं।

डॉ. शमीम शर्मा

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी ने डॉ. शमीम शर्मा को वर्ष 2017 के लिए श्रेष्ठ महिला रचनाकार सम्मान से नवाजा है। वर्ष 2009 में हरियाणा सरकार द्वारा प्रकाशित हरियाणा एन्साइक्लोपीडिया का संपादन किया। हरियाणा हिंदी साहित्य अकादमी से भी उन्हें 'विशिष्ट हिंदी सेवी' पुरस्कार मिला है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय मदर टेरेसा द्वारा स्वर्ण पदक मिला। 2001 की जनगणना में सराहनीय सहयोग के लिए राष्ट्रपति के रजत पदक का सम्मान मिला।

सोशल मीडिया पर फर्जी फॉरवर्ड

सोशल मीडिया पर डाली पोस्टों को फर्जी फॉरवर्ड बताते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि वाट्सएप और फेसबुक करते-करते हम मैसेज यहां से वहां और वहां से वहां भेज रहे हैं। कई बार मैं देख रही होती हूं कि सोशल मीडिया में पोस्ट की गई कहानी के नीचे महादेवी वर्मा लिखा होता है, जबकि महादेवी वर्मा ने कोई कहानी लिखी ही नहीं। लोग ऐसे ही फर्जी फॉरवर्ड कर रहे हैं। सोशल मीडिया की वायरल पोस्टों में उनकी प्रमाणिकता का पता नहीं है, लेकिन भेड़ चाल की वजह से पोस्ट पर पोस्ट किए जा रहे हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. शमीम शर्मा
जन्म : 17 मार्च 1959
जन्म स्थान : गांव जुम्बा, जिला मलोट (पंजाब)
शिक्षा : एमए (स्वर्ण पदक प्राप्त), एमफिल(स्वर्ण पदक प्राप्त), पीएचडी(हिन्दी) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

पहले लाइब्रेरी में सीट नहीं, अब वहां विद्यार्थी नहीं

लाइब्रेरी से जुड़े अपने अनुभव को साझा करते हुए डॉ. शमीश शर्मा ने कहा कि जब हम लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए जाते थे तो हमें बैठने को सीट तक नहीं मिलती थी, लेकिन वर्तमान में लाइब्रेरी में सीट तो हैं, परंतु विद्यार्थी नहीं मिलते। डॉ. शर्मा ने बताया कि साहित्य से जुड़े होने के कारण मैंने अपने कॉलेज में भी लाइब्रेरी के लिए स्पेशल एक पीरियड बनाया हुआ है। उसमें हम बच्चों को धक्के से लाइब्रेरी में लेकर जाते हैं, ताकि बच्चे वहां जाकर पढ़ें। साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाने पर जोर देते हुए साहित्यकार डॉ. शमीम शर्मा ने कहा कि समाज में हमें युवाओं को पढ़ाने की तरफ अग्रसर करना होगा। उनको प्रेरित व जागरूक करना होगा कि बिना साहित्य पढ़े, हमें न तो अपने अतीत का पता चलेगा और न ही हम अपने भविष्य की सोच पाएंगे।

समाज की परतों को उजागर करती 'ताश का घर'

पुस्तक : ताश का घर
लेखिका : सविता स्याल
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : कौशिक पब्लिशिंग हाउस

पुस्तक समीक्षा

डॉ. अंजना गर्ग

साहित्य सदा से समाज का दर्पण रहा है, और लघुकथा उस दर्पण की सबसे सजीव छवि। सविता स्याल समकालीन हिंदी साहित्य की एक सशक्त और संवेदनशील रचनाकार है, जिनकी लेखनी समाज के भीतर बहती भावनात्मक धाराओं को गहराई से छूती है। उनकी लेखनी एक ओर जहां समाज की विडंबनायों को उजागर करती है वहीं दूसरी ओर उम्मीद और आत्मबल का स्वर भी रचती है।

'ताश का घर' लेखिका सविता स्याल द्वारा रचित एक सशक्त लघुकथा- संग्रह है, जो समकालीन समाज की विविध परतों को बड़ी सादगी और गहराई से उजागर करता है। यह संग्रह न केवल मानवीय संबंधों की पड़ताल करता है बल्कि उन मौन द्वंदों और विसंगतियों को भी सामने लाता है जिन्हें अक्सर समाज के बहाव में अनदेखा कर दिया जाता है। सविता स्याल ने अपनी लघु कथाओं में समाज के विभिन्न पहलुओं को उकेरा है जैसे ' दोषी कौन', ' मी टू', ' मृगतृष्णा' , ' रक्षक/ भक्षक', ' वापसी' जैसी लघुकथाएं इसका उदाहरण है। बाल मनोविज्ञान पर लिखी लघुकथाएं जैसे ' ज़ूम वाली दादी' एवं ' एक दोस्ती ऐसी भी' एक अलग ही प्रभाव छोड़ती हैं। मानवी संवेदनाओं से ओतप्रोत ' दूसरी मां' तथा ' डील' भी संग्रह की खूबसूरत रचनाएं हैं और मानव मन पर एक अलग ही प्रभाव छोड़ती है। 'श्राद्ध' एक अनूठे प्यार की लघुकथा है जिसमें पति पारंपरिक लीक से हटकर पत्नी का श्राद्ध करता है। शीर्षक कथा ' ताश का घर' की बात करें तो जिसके माध्यम से लेखिका ने बिना विवाह किए साथ रहने वाले युवाओं को उसके दुष्परिणामों के बारे में सचेत किया है। यह लघुकथा बहुत से नौजवानों को राह दिखाने का काम करेगी। हर लघुकथा एक सामाजिक प्रश्न खड़ा करती है। कई लघुकथाओं में लेखिका ने उनका समाधान भी बताया है परंतु कुछ लघुकथाएं पाठकों के लिए छोड़ दी हैं जिनका उत्तर पाठक को स्वयं तलाशना होगा। सविता स्याल की भाषा सरल, संवेदनशील और बिंबात्मक है। शैली संवाद प्रधान होने के साथ-साथ सूक्ष्म व्यंग्य और भावनात्मक गहराई का सुंदर संयोजन है। ' ताश का घर' उन साहित्य प्रेमियों के लिए एक अनिवार्य संग्रह है जो लघुकथा को केवल रचना नहीं सामाजिक संवाद मानते हैं। यह पुस्तक विद्यार्थियों, शिक्षकों, सामाजिक शोधकर्ताओं और संवेदनशील पाठकों के लिए उपयोगी है। लेखका को ढेरों शुभकामनाएं एवं आशा करती हूं कि इस प्रथम लघुकथा संग्रह के बाद उनकी कलम लगातार लघुकथा सर्जन पर भी चलती रहेगी।

खबर संक्षेप

गन्नौर। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते छात्र।

वर्ल्ड टीचर्स डे पर शिक्षकों को किया गया सम्मानित

गन्नौर। मुरथल स्थित निजी रेस्तरां में वर्ल्ड टीचर्स डे के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा के बड़े भाई हरपाल ढांडा मौजूद रहे, जबकि गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान, समाजसेवी नवीन कुंडू, जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी रचना बाना और खंड शिक्षा अधिकारी आजाद सिंह दहिया, पाइट कालेज के निदेशक राकेश तायल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

फाउंडेशन ने मनाया 4 मूक बधिर बच्चों का जन्मदिन

सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन के तत्वाधान में श्रवण व वाणी केंद्र, न्यू कोर्ट रोड सोनीपत में जन्म से ना बोल व ना सुन सकने वाले बधिर बच्चों के स्कूल में 4 बधिर बच्चों शिखा 14 वर्ष, कार्तिक 15 वर्ष, मयंक 15 वर्ष ओर अर्शन 14 वर्ष का जन्मदिन मनाया गया। प्रदीप गर्ग की तरफ से बच्चों को ड्रेस उपहार में दी गई एवं सीए रमन तनेजा और शशि कपूर द्वारा बच्चों के लिए केक नास्ते का इंतजाम किया गया।

यज्ञ हमारी संस्कृति ही नहीं विरासत भी

गोहाना। रविवार को गांव खानपुर कलां में वैद्य धर्मपाल यज्ञ समिति द्वारा वैद्य धर्मशाला यज्ञशाला में यजुर्वेद हवन यज्ञ कराया गया। अध्यक्षता हजारी लाल खासा ने की, जिसके ब्रह्मा आचार्य कृष्णदेव कांगड़ी रहे। मुख्य यजमान बल्ला पहलवान रहे। मुख्य अतिथि के रूप में सोनीपत लोकसभा के सांसद सतपाल ब्रह्मचारी और वरिष्ठ समाज सेवी राबिन खोखर रहे। सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि यज्ञ हमारी संस्कृति के साथ विरासत भी है।

महारानी दुर्गावती की 601वीं जयंती मनाई

गोहाना। शहर की चोपड़ा कॉलोनी में रविवार को महारानी दुर्गावती की 601वीं जयंती मनाई गई। समारोह में नागरिकों ने रानी दुर्गावती के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। मुख्य वक्ता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा महारानी दुर्गावती विश्व की हर नारी के लिए एदमय साहस की एक मिसाल थी। वे मुगल सेना को रोंदने वाली महान वीरांगना गोंडवाना की शासिका थी। जब मुगल सेना ने उनकी रियासत पर हमला किया तो उन्होंने हार मानने की बजाय अपनी रक्षा और सम्मान के लिए खुद को स्वयं ही मार लिया।

वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति ने किया बुजुर्गों का सम्मान

सोनीपत। वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति सोनीपत द्वारा कम्युनिटी सेंटर सेक्टर-15 में बुजुर्गों के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के प्रधान प्रेम रेलन ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में गुलशन रजवाड़ा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत गायत्री मंत्र के उच्चारण से हुई। ओम प्रकाश मुंजाल, प्रीतपाल बाल्याण, उषा भंडारी और टेक चंद त्रिवेदी ने भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी।

98 मरीजों का जांचा स्वास्थ्य चार ने किया रक्तदान

सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन व अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन जिला सोनीपत इकाई, महिला व युवा जिला इकाई, श्री श्याम बाला जी सेवा मंडल, रोटरी क्लब ऑफ़ सोनीपत एक्सीलेंस, शसक्त महिला संगठन, कृष्णा देवी श्याम मिष्ठान भण्डार द्वारा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल मुरथल अड्डा सोनीपत में मेगा स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें 98 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई।

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा, चालक की तलाश में जुटी पुलिस

तेज रफ्तार कार की टक्कर से असिस्टेंट प्रोफेसर की मौत

आरोपित चालक कार छोड़कर फरार, नहीं लगा कोई सुराग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत-नरेला सड़क मार्ग पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। सड़क मार्ग पर ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी के पास देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक निजी कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर की मौत हो गई। मृतक की पहचान 27 वर्षीय हिमांशु निवासी रायपुर गांव के रूप में हुई है।

वह भगवान महावीर कॉलेज, जगदीशपुर में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थे। हादसे के बाद आरोपित कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार हिमांशु (26) चार अक्टूबर की रात अपने नाना से मिलने अकबरपुर बरोटा गया था। रात करीब 10:45 बजे वह अपने मामा नरेंद्र के साथ अलग-अलग मोटरसाइकिलों पर रायपुर लौट रहा था। जब वे ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी के पास पहुंचा, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक ग्रैंड विटारा कार ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि हिमांशु सड़क पर बने डिवाइडर से जा टकराए और उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। हादसे के कुछ ही पलों बाद उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, आरोपित कार चालक हादसे के बाद वाहन छोड़कर फरार हो गया। मृतक के पिता नरेश गौतम ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा बेहद मेहनती और जिम्मेदार था। परिवार ने बताया कि हिमांशु घर का बड़ा बेटा था और कुछ महीनों पहले ही कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त हुआ था।

सूचना मिलने पर सेक्टर-27 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने आरोपित कार चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 106(1) और मोटर वाहन अधिनियम की धारा 185 के तहत मामला दर्ज किया है।

सोनीपत। मृतक का फाइल फोटो व अस्पताल में कागजी कार्यवाही करते हुए पुलिस कर्मी। फोटो : हरिभूमि

जल्द आरोपित काबू

जांच अधिकारी सतपाल ने बताया कि पुलिस आरोपित की तलाश में जुटी है और हादसे के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। कार नंबर से चालक की जानकारी मिली है। जल्द से जल्द आरोपित को काबू कर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

खरखौदा। पदक प्रदर्शित करते पेंचक सिलाट के विजेता खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

प्रताप स्कूल ने पेंचक सिलाट में जीते 13 पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

- प्रतियोगिता डिस्ट्रिक्ट इंडोर स्टेडियम, कोप्पल (कर्नाटक) में हुई

प्रताप स्कूल के खिलाड़ियों ने 13 वीं नेशनल पेंचक सिलाट चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर 6 स्वर्ण, 3 रजत व 4 कांस्य पदकों सहित कुल 13 पदक जीतकर प्रदेश और अपने स्कूल का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता डिस्ट्रिक्ट इंडोर स्टेडियम, कोप्पल (कर्नाटक) में आयोजित हुई। पदक विजेता खिलाड़ियों में प्री-टीन कैटेगरी में आशीष सैनी (28–30 किग्रा), दिव्यांक (30–32 किग्रा), समीक्ष मान (38–40 किग्रा) और तविश यादव (48–50 किग्रा) ने स्वर्ण पदक , मानविक यादव (36–38 किग्रा) और अनमोल (50–52 किग्रा) ने रजत पदक, जबकि यमन (46–48 किग्रा) और कार्तिक धामिया (54–56 किग्रा) ने कांस्य पदक प्राप्त किए। सब-जूनियर कैटेगरी में लोकेश (57–60 किग्रा) ने स्वर्ण पदक, जबकि यश (33–36 किग्रा) और प्रतीक (63–66 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किए। जूनियर कैटेगरी में निखिल डबास (ओपन-1) ने स्वर्ण पदक व वंशु डबास (75–79 किग्रा) ने रजत पदक जीतकर स्कूल का मान बढ़ाया। द्रोणाचार्य अवार्डी ओमप्रकाश दहिया, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया, प्राचार्या दया दहिया व कोच जगमेन्द्र पांचाल ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।

यशवंत राव चौहान बने जिला अध्यक्ष

- रेखा राना बनीं महिला जिला अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

- असंगठित कामगार कर्मचारी कांग्रेस के नव नियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत समारोह आयोजित किया

सोनीपत। नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष कमल दिवान एवं अन्य।

कांग्रेस भवन, सोनीपत में असंगठित कामगार कर्मचारी कांग्रेस (के.के.सी) द्वारा नव नियुक्ति पदाधिकारियों के स्वागत समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश उपाध्यक्ष ओम कुमार जांबाज ने की। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शहरी कमल दीवान और जिला अध्यक्ष ग्रामीण संजीव दहिया ने नव नियुक्त जिला अध्यक्ष यशवंत राव चौहान का फूल माला और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। महिला जिला अध्यक्ष रेखा राना का स्वागत प्रदेश सचिव मीणा चहल, प्रदेश महासचिव महिला कांग्रेस एडवोकेट आशा अहलावत और कांग्रेस सेवा दल की कृष्णा बुमराह ने फूलमाला और पटका पहनाकर किया। इस अवसर पर असंगठित कामगार कर्मचारी कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष बाले खान, गोविंद राम, पवन कुमार, वेदपाल, सलीम खान दीपक, सरदार जसविंदर सिंह, जिला महासचिव देवेंद्र सिंह, जिला सचिव राम सिंह, हारून कृष्ण पाल, मीडिया प्रभारी गगन जामब, सोनीपत ब्लॉक अध्यक्ष रेखा सोलंकी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूनम राठी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। नव नियुक्त जिला अध्यक्ष यशवंत राव चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी संगठन के कार्यकर्ता उसकी रीढ़ होते हैं।

खरखौदा मार्केट कमेटी के नवनियुक्त चेयरमैन व वाइस चेयरमैन का किया स्वागत

- संगठन का उद्देश्य विकास को गति देना है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

नगर पालिका चैयरमैन हीरा लाल इंदौरा के सांपला रोड स्थित कार्यालय पर मार्केट कमेटी के नवनियुक्त चेयरमैन आनंद सिंह दहिया और वाइस चेयरमैन गुलशन राय ठेकेदार का स्वागत किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पार्षद, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत चेयरमैन हीरालाल इंदौरा द्वारा नवनियुक्त चेयरमैन व वाइस चेयरमैन का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि दोनों पदाधिकारी संगठन के सच्चे कर्मठ और ईमानदार चेहरों में से हैं, जिनकी मेहनत और नेतृत्व क्षमता से मार्केट कमेटी के विकास कार्यों को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने दोनों नव नियुक्त पदाधिकारियों का फूलमालाओं से स्वागत किया और मिठाइयां बांटकर एक दूसरे का मीठा मुंह कराया। हीरालाल इंदौरा ने कहा कि संगठन का उद्देश्य जनता की समस्याओं का समाधान और क्षेत्र के विकास को गति देना है।

खरखौदा। नवनियुक्त चेयरमैन व वाइस चेयरमैन का स्वागत भाजपा कार्यकर्ता।

खरखौदा का विकास

हीरालाल इंदौरा ने भरोसा दिलाया कि आनंद सिंह दहिया और गुलशन राय ठेकेदार अपने अनुभव और निष्ठा से मार्केट क्षेत्र की व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी व जनहितकारी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता समाज व व्यापारियों के हित में मिलजुलकर कार्य करें, ताकि खरखौदा का नाम जिले में विकास की मिसाल बन सके।

सोनीपत। ऋषिकुल विद्यापीठ में कार्यक्रम के दौरान मंचासीन अतिथिगण।

ऋषिकुल विद्यापीठ में पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

- मुख्य अतिथि रहे श्वेता चौहान और राहुल चौहान, पूर्व छात्रों ने साझा किए अनुभव

ऋषिकुल विद्यापीठ, सोनीपत में रविवार को एलुमनाई मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्वेता चौहान और राहुल चौहान उपस्थित रहे। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई। मुख्य अतिथियों ने अपने संबोधन में शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय को अपनी सफलता की नींव बताया और विद्यार्थियों को मेहनत व अनुशासन का संदेश दिया। इस अवसर पर चेयरमैन एसके शर्मा ने कहा कि पूर्व छात्र किसी विद्यालय की रीढ़ होते हैं और उनकी सफलता ही संस्था की पहचान है। निदेशक धीरज शर्मा ने पूर्व छात्रों की उपलब्धियों को विद्यालय का गौरव बताया। ग्लोबल आउटरीच डायरेक्टर अर्चना शर्मा ने कहा कि पूर्व छात्रों का विद्यालय से जुड़ाव नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। उप-प्रधानाचार्या कृति चौधरी ने विद्यार्थियों की सफलता को शिक्षकों की मेहनत का परिणाम बताया, जबकि प्रधानाचार्य उमेश शर्मा ने कहा कि विद्यालय सदैव अपने विद्यार्थियों के साथ खड़ा रहेगा। कार्यक्रम में सभी शाखाओं के प्रभारी और अध्यापकगण मौजूद रहे, जिन्होंने पूर्व छात्रों के साथ यादें और अनुभव सांझा किए।

सृष्टि ने राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में दो पदक जीत रोशन किया नाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

- 18 वर्ष की आयु में ट्रैडिशनल योगासन में कांस्य और ट्विस्टिंग बॉडी में रजत पदक किया अपने नाम

सोनीपत की युवा योग खिलाड़ी सृष्टि दहिया ने 18 वर्ष की उम्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा का गौरव बढ़ाया है। विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश) में 27 सितंबर से 1 अक्टूबर तक योगासन भारत द्वारा आयोजित छठी जूनियर व सीनियर सी योगासन प्रतियोगिता में सृष्टि ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम कोच रोहित, भारत और अन्नू के नेतृत्व में भाग ले रही सृष्टि ने जूनियर आयु वर्ग में ट्रैडिशनल योगासन में कांस्य पदक और ट्विस्टिंग बॉडी इंडिविजुअल इवेंट में रजत पदक जीता। मेडल डॉ. जयदीप द्वारा प्रदान किए गए। सृष्टि दहिया इस प्रतियोगिता में हरियाणा की इकलौती ऐसी खिलाड़ी बनीं, जिन्होंने व्यक्तिगत श्रेणी में दो पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में देशभर से लगभग 800 खिलाड़ियों ने भाग लिया था, जिसमें हरियाणा के खिलाड़ियों ने कुल 12 पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया। सृष्टि की इस उपलब्धि पर कोच रोहित, भारत और अन्नू सहित परिजनों और स्थानीय नागरिकों ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

महाराजा अग्रसेन समरसता व सदभाव के युगपुरुष

राई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए।

राई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि महाराजा अग्रसेन की सेवा, समरसता और सद्भाव के युगपुरुष थे। अग्रवाल समाज ने उन्हीं आदर्शों को आत्मसात कर शिक्षा, उद्योग, चिकित्सा और मानव सेवा के क्षेत्र में राष्ट्र निर्माण की प्रेरक भूमिका निभाई है। वे अग्रसेनधाम कुंडली में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि यह महोत्सव समाज में सेवा, सहयोग और समरसता के अमिट संस्कारों को प्रज्ज्वलित करता है। समारोह को भाजपा सांसद नरेश बंसल, विधायक अशोक गोयल देवराहा, तिलक राम गुप्ता, डॉ अनिल गोयल, संजय गोयल, अजय महावर, उद्योगपति प्रमोद गुप्ता ने भी संबोधित किया।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर व्याख्यान

सोनीपत। महर्षि वाल्मीकि को नमन करते हुए विद्यार्थी एवं अन्य।

सोनीपत। राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मॉडल टाउन में रविवार को महर्षि वाल्मीकि पर एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन को राष्ट्रीय सेवा योजना सोनीपत के सहयोग से संपन्न किया गया, जिसमें वक्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला।

ग्रीन सिटी में अभियान में संगठन ने रोपे 26 पौधे

- दीपक लगने से एक पौधा सूखा हुआ मिला, इसके स्थान पर दूसरा पौधा रोपा गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

समाज कल्याण संगठन ने रविवार को अपने साप्ताहिक अभियान में महम रोड के साथ फुटपाथ की खाली जगह और डिवाइजर पर पापड़ी, जंगली जलेबी और अर्जुन के 26 पौधे रोपे। संगठन द्वारा पौधों को ट्री गार्डों में संरक्षित किया गया ताकि उनको पशु कोई नुकसान न पहुंचाएं। पौधारोपण की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने की। संगठन द्वारा पिछले करीब डेढ़ दशक से गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के लिए गोद ले रखा है। शहर को हरा-भरा बनाने के लिए संगठन द्वारा सप्ताह के प्रत्येक रविवार को सरकारी कार्यालयों के परिसर, सार्वजनिक स्थलों और सडक़ों के किनारे फुटपाथ की खाली जगह में पौधारोपण किया जाता है। इसी क्रम में संगठन द्वारा महम मार्ग के साथ फुटपाथ की खाली जगह में पौधारोपण किया गया।

गोहाना। पेड़ों की टहनियों की कटाई-छंटाई करते हुए संगठन के सदस्य।

सुजान सिंह पार्क से आरंभ हुई प्रभात फेरी का नगरभर में स्वागत

गुरु रामदास के प्रकाश दिवस पर निकाली प्रभात फेरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सिखों के चौथे गुरु गुरु रामदास के प्रकाश दिवस की खुशी में रविवार को गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, सुजान सिंह पार्क से प्रातः 4 बजे प्रभात फेरी निकाली गई। यह प्रभात फेरी नगर के सभी गुरुद्वारों से होकर गुजरी और पुनः गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा पहुंचकर संपन्न हुई। संगत ने गुरु द्वारा उच्चारित वाणी का पाठ कर श्रद्धा व्यक्त की। इस अवसर पर प्रधान सरदार कुलदीप सिंह ने संगत को गुरु जी के प्रकाश दिवस की शुभकामनाएं दीं। परमजीत सिंह ने बताया कि गुरु रामदास का जन्म 1534 ईस्वी में चुना मंडी, लाहौर में पिता हरिदास सोढ़ी और माता दया कौर के घर हुआ था। सात वर्ष की आयु में माता-पिता के निधन के बाद वे नानी के गांव बासरके चले गए। वहीं उनकी मुलाकात तीसरे गुरु गुरु अमरदास जी से हुई, जिनकी सेवा में वे रहने लगे। गुरु अमरदास ने अपनी पुत्री बीबी भानी का विवाह गुरु रामदास से किया और उनकी सेवा व विनम्रता से प्रभावित होकर उन्हें सिखों का चौथा गुरु नियुक्त किया।

सोनीपत। प्रभात फेरी के दौरान उपस्थित सिख संगत। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

गुरु रामदास ने अमृतसर साहिब में अमृत सरोवर की खुदाई करवाई और उनकी वाणी श्री गुरु ग्रंथ साहिब में दर्ज है। सभी गुरुद्वारा साहिबों की प्रबंधक कमेटियों ने प्रभात फेरी का भव्य स्वागत किया। मुख्य आयोजन 8 अक्तूबर को गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा, सुजान सिंह पार्क में रात्रि समय आयोजित होगा। इस अवसर पर सरदार जसवीर सिंह, सरदार बिक्रम सिंह, सरदार उरविंदर सिंह और सरदार मोहन सिंह मनोचा सहित बड़ी संख्या में संगत मौजूद रही, जिन्होंने श्रद्धा और भक्ति भाव से कार्यक्रम में भाग लिया।

सड़क से संसद तक हर वर्ग की लड़ाई लड़ेंगे: दीपेन्द्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

- जनभावना चोरी करके भाजपा सत्ता में आई

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने खरखौदा उपमंडल के गांव सिसाना में दहिया खाप के प्रधान रहे रामफल दहिया जी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव में लोगों ने कोई कमी नहीं छोड़ी थी। हरियाणा में पिछले 15 विधानसभा चुनाव में कॉंग्रेस को सबसे ज्यादा मत प्रतिशत 2024 में मिला। मात्र आधा प्रतिशत यानी 22 हजार वोटों के अंतर से प्रदेश में सरकार बनाई गयी। हरियाणा में चुनाव में जबरदस्त धांधली हुई, क्योंकि जो कॉंग्रेस बैलट वोट में करीब 75 सीटों पर आगे थी, वो मशीन खुलते ही पीछे कैसे हो गई। कांग्रेस पार्टी ने पिछले साल लोकसभा में 1984 के बाद दूसरे नंबर पर सबसे ज्यादा मत प्रतिशत अर्जित किया। जनता ने अब तक का सबसे बड़ा विपक्ष चुना।

खरखौदा। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते दीपेंद्र हुड्डा।

खबर संक्षेप

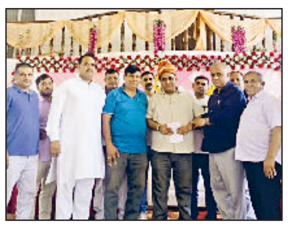

नशे पर रोक लगाने का लिया संकल्प

गोहाना। रविवार को गोहाना कैमिस्ट एसोसिएशन की शहर में महम मार्ग स्थित एक निजी पैलेस में वार्षिक बैठक आयोजित हुई। बैठक में कैमिस्टों ने नशे पर रोक लगाने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा कैमिस्ट एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष रमेश खुराना रहे। अध्यक्षता गोहाना कैमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप चहल ने की। बैठक में कैमिस्टों ने नशे पर रोक लगाने का सामूहिक संकल्प लिया।

भागराम ट्रस्ट का रक्तदान शिविर आज

गोहाना। भागराम ट्रस्ट का साप्ताहिक रक्तदान शिविर हर सप्ताह की तरह शहर में भगवान परशुराम चौक में आयोजित होगा। शिविर की अध्यक्षता ट्रस्ट की अध्यक्ष उषा गगनेजा करेंगी। संयोजन स्टार रक्तदाता एवं ट्रस्ट अध्यक्ष उषा गगनेजा के पति सुरेंद्र विश्वास का रहेगा। मुख्य अतिथि भाजपा खानपुर मंडल के अध्यक्ष जस्सी खुराना होंगे।

चोरी के मामले में अपचारी बालक को किया गिरफ्तार

गोहाना। थाना सदर गोहाना की पुलिस ने दुकान से पुराने मोबाइल व नकदी चोरी की घटना में संलिप्त एक अपचारी बालक को उसके परिजनों की मौजूदगी मे अभिरक्षा मे लिया और एक आरोपित को गिरफ्तार किया। आरोपित दीपक गांव खानपुर कलां का रहने वाला है।

ब्राइट स्कॉलर के तैराकों ने जीते पदक

सोनीपत। 58वीं हरियाणा राज्य स्कूल गेम्स तैराकी चैंपियनशिप का आयोजन एचएल सिटी बहादुरगढ़ सेक्टर-37 में हुआ। इसमें ब्राइट स्कॉलर स्कूल से भी टीम ने हिस्सा लिया। श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अयानवीर- 50 मीटर बी-फ्लाई, 100 मीटर एफ/एस, 50 मीटर बैकस्ट्रोक (3 स्वर्ण), अनव मलिक- 100 मीटर में पदक जीता है।

करोड़ों की लागत से बने हाईवे पर रोजाना दौड़ते 80 हजार से अधिक वाहन

राष्ट्रीय राजमार्ग-44 बना 'खतरा-मार्ग' टूटे स्प्रिंग पोस्ट दे रहे हादसों का न्योता

- राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर सुरक्षा इंतजामों की अनदेखी, वाहन चालक बना रहे अपनी और यात्रियों की जान को खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

देश की सबसे व्यस्त और रणनीतिक सड़कों में से एक राष्ट्रीय राजमार्ग-44, जिसे जीटी रोड भी कहते हैं। इस हाइवे पर वाहन चालकों की लापरवाही और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की निष्क्रियता के कारण सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। कुंडली से पानीपत के हल्दाना बॉर्डर तक करीब 900 करोड़ रुपये की लागत से बने इस हाईवे पर लगाए गए अधिकांश स्प्रिंग पोस्ट को वाहन चालकों ने तोड़ दिया है। इन सुरक्षा उपकरणों के टूट जाने से अब वाहन चालक निर्धारित संपर्क मार्गों का उपयोग करने के बजाय सीधे और खतरनाक तरीके से हाईवे पर चढ़-उतर रहे हैं, जिससे आए दिन सड़क हादसों का खतरा मंडरा रहा है।

सोनीपत। स्प्रिंग पोस्ट के ऊपर से गुजरते हुए वाहन।

वाहनों की टक्कर की आशंका

विशेषज्ञों का कहना है कि एक ही स्थान से हाईवे पर सीधे और बार-बार चढ़ने-उतरने की यह प्रवृत्ति सबसे ज्यादा खतरनाक है। इससे न केवल यातायात बाधित होता है, बल्कि मुख्य लेन में अचानक सामने आने वाले वाहनों से टक्कर की आशंका भी कई गुना बढ़ जाती है। खासकर फ्लाईओवर के पास, जहाँ वाहनों की गति तेज होती है, ऐसे सीधे प्रवेश और निकास गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। करोड़ों रुपये के सरकारी निवेश के बावजूद, सुरक्षा इंतजामों की यह अनदेखी हजारों यात्रियों की जान को हर पल जोखिम में डाल रही है।

वाहन चालकों की लापरवाही

राष्ट्रीय राजमार्ग-44 (एनएच-44) पर लगाए गए स्प्रिंग पोस्ट वाहन चालकों द्वारा तोड़ दिए गए हैं, जिसके कारण वाहन चालक निर्धारित संपर्क मार्गों की बजाय सीधे हाईवे पर चढ़-उतर रहे हैं। यह स्थिति सड़क हादसों को न्यौता देने वाली बन गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने फ्लाईओवर की शुरुआत में वाहनों के लिए संपर्क मार्ग की व्यवस्था की थी, ताकि वाहन सुरक्षित तरीके से हाईवे पर उतर और चढ़ सकें। इसके बावजूद लापरवाह वाहन चालक नियमों की अवहेलना कर सीधे हाईवे पर उतरने और चढ़ने लगे हैं। हादसों को रोकने के लिए लगाए गए स्प्रिंग पोस्ट भी अब वाहन चालकों की लापरवाही के कारण क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

सुरक्षा व्यवस्था का खुला उल्लंघन

एनएचएआई द्वारा फ्लाईओवर की शुरुआत और समाप्ति पर वाहनों के लिए सुरक्षित संपर्क मार्ग की व्यवस्था की गई थी ताकि मुख्य हाईवे पर यातायात सुचारू और सुरक्षित बना रहे। चालकों को इन्हीं संपर्क मार्गों का उपयोग करना होता है। लेकिन, लापरवाह वाहन चालक समय बचाने और कम दूरी तय करने की फिराक में नियमों को दरकिनार कर रहे हैं। इन अनधिकृत कटों को रोकने के लिए लगाए गए लचीले स्प्रिंग पोस्ट भी अब टूट चुके हैं, जिससे वाहनों का मुख्य लेन में अचानक प्रवेश और निकास बेरोकटोक जारी है। यह स्थिति यातायात नियमों का खुला उल्लंघन है और हाईवे पर तीव्र गति से चल रहे अन्य वाहनों के लिए एक बड़ा खतरा पैदा करती है।

प्रवेश-निकास बेरोकटोक जारी

एनएचएआई द्वारा फ्लाईओवर की शुरुआत और समाप्ति पर वाहनों के लिए सुरक्षित संपर्क मार्ग की व्यवस्था की गई थी ताकि मुख्य हाईवे पर यातायात सुचारू और सुरक्षित बना रहे। चालकों को इन्हीं संपर्क मार्गों का उपयोग करना होता है। लेकिन, लापरवाह वाहन चालक समय बचाने और कम दूरी तय करने की फिराक में नियमों को दरकिनार कर रहे हैं। इन अनधिकृत कटों को रोकने के लिए लगाए गए लचीले स्प्रिंग पोस्ट भी अब टूट चुके हैं, जिससे वाहनों का मुख्य लेन में अचानक प्रवेश और निकास बेरोकटोक जारी है। यह स्थिति यातायात नियमों का खुला उल्लंघन है और हाईवे पर तीव्र गति से चल रहे अन्य वाहनों के लिए एक बड़ा खतरा पैदा करती है।

राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता

लड़कों के तीनों आयु वर्ग में डीएवी स्कूल की गन्नौर की टीमें प्रथम

गन्नौर। स्कूल प्रधानाचार्य सुनील शर्मा, प्रर्यवेक्षण रिंकु वर्मा डीएवी गन्नौर अंडर 14 की विजेता टीम का सम्मान करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

डी.ए.वी. स्पोर्ट्स (राज्य स्तरीय) कबड्डी प्रतियोगिता जयन्ती प्रसाद डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल में हुई। जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई डी.ए.वी. संस्थाओं की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता अंडर-14,अंडर-17 और अंडर-19 लड़के व लड़कियों की श्रेणियों में आयोजित की गई। आयोजक विद्यालय जे.पी.डी.ए.वी. गन्नौर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लड़कों अंडर 14, अंडर 17 और अंडर 19 में विजेता बनकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। यह उपलब्धि विद्यालय के खेल क्षेत्र में प्रभुत्व और समर्पण का प्रमाण रही। लड़कियों की श्रेणियों में, अंडर-14 वर्ग में डी.ए.वी. रोहतक विजेता रही जबकि डी.ए.वी. निलोखेड़ी उपविजेता बनी। अंडर-17 वर्ग में भी डी.ए.वी. रोहतक ने विजेता का खिताब जीता, वहीं डी.ए.वी. पी.पी.एस. पलवल उपविजेता रही।

प्रतिभागियों के अनुशासन व संघर्षशीलता को सराहा

अंडर-19 लड़कियों की प्रतियोगिता में डी.ए.वी. पी.पी.एस. सोनीपत ने ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि डी.ए.वी. पी.पी.एस. जींद उपविजेता रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जे.पी.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य सुनील शर्मा रहे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के अनुशासन और संघर्षशीलता की सराहना की। प्रतियोगिता का संचालन प्राचार्य एवं प्रेक्षक, डी.ए.वी. डी.एल.एफ.एल.,के.एन. रोहतक रिंकू वर्मा पर्यवेक्षण की देखरेख में संपन्न हुआ। खेल शारीरिक विकास के साथ मानसिक विकास भी करते है। प्रधानाचार्य एवं पर्यवेक्षण रिंकु वर्मा ने विजेता टीमों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विजेता टीमों को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। खेल समन्वयक अशोक कुमार तथा कोच संदीप, सतीश, निर्मल, संजू एवं जे.पी.डी.ए.वी. स्कूल टीम के सभी सदस्यों ने सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई दी।

पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एकता और धर्मबीर ने जीते सिल्वर मेडल

सोनीपत। एकता भ्याण के साथ अमित सरोहा एवं अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

भारतीय खेल प्राधिकरण, बहालगढ़ (सोनीपत) में कार्यरत कोच अमित सरोहा के शिष्यों ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का परचम लहराया है। वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप, नई दिल्ली में आयोजित क्लब थ्रो इवेंट में कोच की शिष्या एकता भ्याण ने 19.80 मीटर थ्रो लगाकर सिल्वर मेडल जीता, जबकि पुरुष वर्ग में पैरालंपियन गोल्ड मेडलिस्ट धर्मबीर नैन ने 29.71 मीटर थ्रो कर सिल्वर मेडल अपने नाम किया। मामूली अंतर से धर्मबीर नैन गोल्ड मेडल से चूक गए, लेकिन दोनों खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से भारत ने विश्व स्तर पर अपना दबदबा कायम रखा। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने कोच अमित सरोहा को दिया। उन्होंने कहा कि कोच के सख्त प्रशिक्षण, अनुशासन और निरंतर प्रेरणा के कारण ही वे पोडियम तक पहुंच पाए।

कोच ने गर्व व्यक्त किया

पैरालंपियन कोच अमित सरोहा ने अपने दोनों शिष्यों की सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहला अवसर है जब किसी एक कोच के दो शिष्यों ने एक ही विश्व चैंपियनशिप में पदक हासिल किया है। इन उपलब्धियों से न केवल सोनीपत, बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ा है।

घरेलू हिंसा की शिकार महिला की हालत गंभीर

सोनीपत। शहर के आर्य नगर में घरेलू हिंसा का मामला सामने आया है, जहां 32 वर्षीय महिला हिमांशी गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने उसे तुरंत जिला नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, हिमांशी आर्य नगर की रहने वाली है। किसी पारिवारिक विवाद के चलते उसका अपने पति व ससुराल पक्ष के लोगों से झगड़ा हो गया। आरोप है कि झगड़े के दौरान महिला के साथ मारपीट की गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल अवस्था में उसे पड़ोसियों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि महिला के शरीर पर चोटों के कई निशान हैं और उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।पुलिस का कहना है कि बयान दर्ज करने के बाद ही आगे की कार्यवाही की जाएगी। साथ ही, घटना के पीछे के कारणों की भी जांच की जा रही है।

शिव पार्क में कार्यक्रम का आयोजन

रोटरी क्लब रायल के शिविर में 117 ने किया रक्तदान

- मुख्यातिथि सुरेश चंद्र मित्तल, नरेश ढींगरा और सुरेंद्र शर्मा गाजियाबाद ने किया शुभारम्भ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

रोटरी क्लब आफ गन्नौर रॉयल द्वारा शिव पार्क में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 117 रक्तदाताओं ने स्वच्छा से रक्तदान किया। शिविर का शुभारम्भ मुख्यातिथि सुरेश चंद्र मित्तल, नरेश ढींगरा और सुरेंद्र शर्मा गाजियाबाद ने रिबन काटकर कैंप का शुभारंभ किया। उन्होंने क्लब के कार्य की सराहना करते हुए कहा की क्लब द्वारा एक समय में दो-दो मानव सेवा के कार्य किया जा रहे हैं। हेलमेट देकर सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत सड़क सुरक्षा और रक्तदान से पुण्य काम कोई और नहीं। क्लब के प्रधान प्रवीण मित्तल ने बताया की क्लब द्वारा समय-समय पर ऐसे कैंपों का आयोजन किया जाता है। प्रोजेक्ट चेयरमैन जतिन जैन और अनिल जैन ने कहा कि क्लब समाज सेवा के कार्यों में सबसे आगे बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता है।

गन्नौर। रक्तदाताओं का हौसल्ला बढाते हुए मुख्यातिथि व क्लब के पदाधिकारी।

लोगों को किया जा रहा जागरूक

क्लब के सैक्ट्री नितिन बंसल ने कहा की रक्तदान के लिए समाज में जागरूकता करने से प्रोत्साहित करने से ही हमें रक्त प्राप्त होता है। इसके लिए क्लब समय-समय पर जागरूक अभियान भी चलता है। इस अवसर पर क्लब के सदस्य अजय त्यागी, अंकित गोयल, नंदकिशोर त्यागी, अनुज बंसल, मुकुल गोयल, सागर बत्रा, संदीप वर्मा, यश जैन आदि ने सहयोग किया।

अपहरण कर नाबालिग से दुष्कर्म की कोशिश

- पुलिस ने आरोपित सुरेश कुमार को गिरफ्तार किया

गोहाना। क्षेत्र में मार्केट की तरफ जा रही नाबालिग लड़की का एक युवक ने अपहरण कर लिया। युवक ने लड़की के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। पुलिस ने लड़ी मां की शिकायत पर केस दर्ज करके आरोपित सुरेश उर्फ काका को गिरफ्तार कर लिया। एक महिला ने शनिवार पुलिस को शिकायत दी कि उसकी लगभग 10 वर्ष की बेटी मार्केट जा रही थी। रास्ते में सुरेश कुमार उर्फ काका ने उसकी बेटी का अपकरण कर लिया और आड़ में ले जाकर दुष्कर्म का प्रयास किया। उसकी बेटी ने उसे यह बात बताई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता व पोक्सो अधिनियम के तहत केस दर्ज किया। उप निरीक्षक सब्बल ने पुलिस टीम के साथ कार्रवाई करते हुए लड?ी के मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज कराकर महिला विशेषज्ञ व लीगल ऐड से काउंसलिंग कराई। पुलिस ने आरोपित सुरेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

शरद पूर्णिमा पर गुरुकुल जुआं में होगा औषधि युक्त खीर का नि:शुल्क वितरण

- स्वास्थ्य और अध्यात्म का संगम : आज होगा विशेष आयोजन, बनाई जाएगी औषधियुक्त खीर

सोनीपत। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर, गुरुकुल जुआं, सोनीपत (हरियाणा) में एक विशेष आयोजन किया जा रहा है, जिसमें औषधियुक्त खीर का निर्माण और निशुल्क वितरण किया जाएगा। यह आयोजन अध्यात्म और आयुर्वेद के समन्वय का एक अनूठा उदाहरण है, जिसका उद्देश्य दमा, नजला, जुकाम, छींक आना, नाक बंद रहना, श्वास सम्बन्धी एलर्जी आदि रोगों से ग्रसित रोगियों को प्राकृतिक उपचार प्रदान करना है। गुरुकुल के संचालक आचार्य वेदनिष्ठ ने बताया कि खीर के निर्माण और वितरण का कार्य सोमवार 6 अक्टूबर को किया जाएगा। यह औषधियुक्त खीर विशेष रूप से उन रोगियों के लिए तैयार की जा रही है जो श्वास-प्रश्वास और एलर्जी से संबंधित समस्याओं से जूझ रहे हैं। यह माना जाता है कि शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा की किरणें विशेष औषधीय गुणों से युक्त होती हैं, और इस रात्रि में तैयार की गई खीर कई रोगों में लाभकारी होती है। औषधियुक्त खीर का निशुल्क सेवन करने के इच्छुक रोगियों को कुछ विशेष नियमों का पालन करना होगा। उन्हें पूरा दिन भूखे रहकर गर्म पानी पीना होगा और दवा लेने हेतु सोमवार, सायं 06:00 बजे तक गुरुकुल जुआं पहुँचना होगा। इसके अतिरिक्त, उन्हें अपने साथ खीर खाने के लिए काँसे का बर्तन भी लाना अनिवार्य है। काँसे के बर्तन को आयुर्वेद में औषधीय गुणों को संरक्षित करने वाला माना जाता है। साथ ही, रात्रि प्रवास को देखते हुए सभी से अपने ओढ़ने के लिए कम्बल साथ लाने का भी अनुरोध किया गया है।

दिनेश बने हरियाणा यूनाइटेड स्कूल एसोसिएशन राई के प्रधान

- मुरथल स्थित एक ढाबा में राई ब्लॉक के प्राइवेट स्कूल संचालकों की बैठक का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

मुरथल स्थित एक ढाबा में राई ब्लॉक के प्राइवेट स्कूल संचालकों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें राई क्षेत्र के करीब 75 से अधिक स्कूलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से नैन्सी शिक्षा निकेतन स्कूल के संचालक दिनेश चौहान को हरियाणा यूनाइटेड स्कूल एसोसिएशन राई का प्रधान नियुक्त किया गया। नव-नियुक्त प्रधान दिनेश चौहान ने इस जिम्मेदारी के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे एसोसिएशन की एकता, शिक्षा की गुणवत्ता और स्कूल संचालकों के हित में पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता से कार्य करेंगे।

राई। नवनियुक्त प्रधान दिनेश चौहान का स्वागत करते राई क्षेत्र के स्कूलों के चेयरमैन व प्रबंधक।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर महावीर चौहान, जयकरण झंझानिया, जयभगवान अंतिल, मुकेश कुमार, योगराज भारद्वाज, देवऋर्षि स्कूल बहालगढ़ के निदेशक जोगेन्द्र अंतिल, हन्नी मार्डन स्कूल निदेशक सतनारायण अंतिल, बाल जागृति स्कूल नरेंद्र धीमान, चांद अंतिल, सतीश चौहान, शील कुमार, अजय मनौली, रमेश कौशिक, बाला, रीना, प्रीति हुड्डा, महिपाल मोर, संजय आदि स्कूल संचालक मौजूद थे।

गन्नौर। त्रिदिवसीय वार्षिकोत्सव में आहुति डालते हुए मुख्यातिथि व अन्य।

आर्य समाज मंदिर गन्नौर शहर का त्रिदिवसीय 68वां वार्षिकोत्सव संपन्न

गन्नौर। आर्य समाज मंदिर गन्नौर शहर का त्रिदिवसीय 68वां वार्षिकोत्सव प्रताप भूटानी की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। समाजसेवी अंकित मल्होत्रा व हरीश वधवा ने शिरकत की। समारोह की अध्यक्षता प्रताप भूटानी ने की। मंच संचालन प्रीतम आहूजा ने किया। यज्ञोपरान्त संगीतरत्ना श्वेता शर्मा ने आध्यात्मिक एवं पारिवारिक गीत प्रस्तुत करके श्रद्धालु भक्तो को भावविभोर किया। सत्य किरण दीवान एवं संतोष आर्य ने भी प्रभु भक्ति के गीत प्रस्तुत करके मंत्र मुग्ध किया। अलीगढ़ गुरुकुल से आमंत्रित डॉ मनु आर्या ने स्वामी दयानंद की जीवनी पर प्रकाश डाला और उनके समाज सुधार एवं स्त्री समाज के उत्थान के बारे में बताया। उन्होंने वेदमन्त्र के साथ उद्बोधन करते हुए सत्संग की महिमा पर बल दिया। वैदिक प्रवक्ता हरि चंद स्नेही ने देश की आजादी में आर्य समाज के योगदान पर प्रकाश डाला। संस्था के प्रधान ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम में संस्था के महासचिव प्रीतम लाल आहुजा, मनोहर लाल डुडेजा, कृष्ण ठुकराल, दिनेश मुखीजा, डॉ रमेश,धर्म चंद खन्ना, रोहित टुटेजा, सुषमा भूटानी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

तकनीकी कर्मचारियों को 2400 रुपये ग्रेड पे की मांग

- पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्करज यूनियन का 58वां स्थापना दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

रविवार को जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता कार्यालय में हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन का 58वां स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता यूनियन के जिलाध्यक्ष रमेश शर्मा ने की। उन्होंने कहा कि तकनीकी पदों पर कार्यकरत कर्मचारियों को 24 सौ रुपये ग्रेड पे दिया जाए, पुरानी पेंशन व्यवस्था

बहाल की जाए, हरियाणा कौशल रोजगार निगम व टर्म अपाईमेंट कर्मचारियों को पक्के कर्मचारी के समान वेतन दिया जाए, केन्द्र के समान सभी वेतन व भत्ते लागू किए जाएं, 2016 से बकाया हाउस भत्ते का भुगतान किया जाए, ड्यूटी के दौरान किसी कर्मचारी की दुर्घटना व मुत्यु होने पर 30 लाख रूपये आश्रित अनुदान दिया जाए।

चर्चा: जिला सोनीपत पुलिस सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारी संगठन की हुई बैठक

कर्मियों की लंबित मांगें उठाने का निर्णय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिला सोनीपत पुलिस सेवा निवृत अधिकारी/कर्मचारी संगठन की मासिक बैठक रविवार को पुलिस लाइन में प्रधान जयपाल खोखर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में पुलिस विभाग के सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों और समस्याओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों में जगदीश मोर, बिजेंद्र सिंह, कंवर सिंह, बलजीत भदाना, भगत सिंह, हरपाल, रणधीर सिंह, राजपाल,

सोनीपत। बैठक के दौरान उपस्थित संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण।

ईश्वर दहिया, हवा सिंह, धर्मपाल त्यागी आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे। संगठन ने निर्णय लिया है कि वे पुलिस कर्मचारियों की अधिकतम और सहायक सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए मांगपत्र प्रस्तुत करेंगे।

प्रमुख मांगें

मांगों में मेडिकल भत्ता 3000 रुपये करने, पेंशन पर 65 वर्ष में 10% और 80 वर्ष में 20% की बढ़ोतरी, कैशलेस सुविधा लागू करने, पेंशनर्स की आश्रितों को एलटीसी सुविधा दी जाए, कम्यूटेशन 15 वर्ष की बजाए 12 वर्ष की जाए, करोना काल का 18 माह का डीए ब्याज सहित दिया जाए, पेंशनर्स को 8वें वेतन आयोग का पूर्ण लाभ दिया जाए, सीनियर सिटीजन को रेलवे में छुट दोबारा से लागू की जाए। संगठन ने इन मांगों को सरकार और पुलिस विभाग के समक्ष पुरजोर तरीके से उठाने का संकल्प लिया है ताकि कर्मचारियों को उनका वाजिब हक मिल सके।